अस्थि विकलांग बच्चों की शिक्षा(Education for Orthopaedically handicapped)

<u>अस्थि विकलांग का अर्थ</u>- शारीरिक विकलांग बच्चों को उन बच्चों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिनका असंवेदी शारीरिक सीमाएं अथवा स्वास्थ्य समस्याएं इस सीमा तक उनकी विद्यालय उपस्थिति अथवा सीखने में बाधा पहुंचती है जिसके लिए विशेष सेवाओं प्रशिक्षण उपकरण सामग्री या सुविधाओं की जरूरत पड़ती है।

अर्थात अस्थि विकलांग बच्चों से तात्पर्य ऐसे बच्चों से हैं। जिनके जोड़ो या हड्डियों में किसी तरह का कोई दोष या विकृति हो ऐसी विकृति होने पर पीड़ित बच्चे सामान्य बच्चे की भांति किसी भी कार्य को करने में दक्ष नहीं हो पाता है कभी-कभी ऐसा होता है कि वह अंग ही अविकसित रह गया हो ऐसे बच्चों में गतिशीलता और आवागमन में परेशानी होती है । पर ऐसे बच्चों में सीखने की क्षमता सामान्य होती है और कभी-कभी ऐसा होता है कि इनकी विकलांगता की वजह से शरीर सीखने की गति में बाधा आती है।

<u>अस्थि विकलांगता के कारण-</u>

1-अर्जित कारण

2-जन्मजात कारण

3-दुर्घटना

4-बीमारी

1-**<u>अर्जित कारण</u>**-ऐसे कारण जो पैदा होने के बाद बच्चों में किसी भी प्रकार का दोष पैदा कर दे ।जन्म के तुरंत बाद कोई बीमारी को कुपोषण या पोलियो आदि शारीरिक विकलांगता के लिए उत्तरदाई कारण है। अर्जित कारणों को दोबारा दो बागों में बांटा गया है बीमारी और दुर्घटना।

<u>बीमारी</u>-कुछ ऐसी बीमारियां हैं जिनका संबंध अस्थि दोष से है जैसे पोलियो या कुछ ऐसी बीमारियां हैं जो लंबे समय तक रहती हैं। वह भी अस्थि विकलांगता पैदा करती हैं इन बीमारियों की वजह से हड्डियों के जोड़ों हड्डियों की आकृति आदि में दोष पैदा हो जाता है जैसे मस्तिष्क का बुखार और हड्डियों का टीवी आदि।

<u>दुर्घटना</u>-किसी भी दुर्घटना गोली लगने या कोई अस्त्र लगने की वजह से यह कभी-कभी मशीनों में काम करने से असावधानी बस कोई अंग कट जाता है।

2-**<u>जन्मजात कारण</u>**-गर्भ में ही अगर कुपोषण, संक्रामक रोग, माता का दुर्घटना ग्रस्त हो जाना आदि इसमें आते हैं । इसी से बच्चों में अस्थि दोष आ जाता है। जन्मजात शारीरिक अपंगता इलाज से ठीक नहीं हो पाती है । इसके लिए सहायक उपकरण, खास ट्रेनिंग कौशलों का विकास और खास तरह की शिक्षा की जरूरत होती है।

<u>अस्थि विकलांग बच्चों की समस्याएं-</u>

1-आत्मविश्वास में कमी

2-समायोजन की समस्या

3-आवागमन की समस्या

4-मुद्राओं की समस्या

5-सीखने में बाधा

<u>अस्थि विकलांग बालकों की शिक्षा-</u>

खास तौर से अस्थि विकलांग बच्चों को आवागमन की समस्या होती है जब एक बार यह विद्यालय पहुंच जाते हैं तो यह सामान्य कक्षाओं की गतिविधियों का लाभ उठाते हैं इसके अलावा भी हम सामान्य कक्षाओं में इन बच्चों को निम्न प्रकार की सुविधा दे सकते हैं।

1-खास उपकरणों की व्यवस्था

2-उपयुक्त बैठने की व्यवस्था

3-अंदर खेले जाने वाले खेलों का आयोजन

4-क्रियाओं का मूल्यांकन उचित प्रकार से

5-विशेष ध्यान

6-व्यावसायिक निर्देशन

<u>अन्य शिक्षाएं (अध्यापकों की भूमिका)-</u>

1-ऐसे बच्चों को सामान्य लोगों के साथ संबंध बनाना सिखाएं।

2-ऐसे बच्चे जिसे साजों सामान का प्रयोग करते हैं अपने घरों और विद्यालयों में उस साजो सामान का डिजाइन खास तरह का होना चाहिए। ताकि बच्चे अपने दोष के हिसाब से इस साजों सामान में ढल जाए मेज कुर्सी आदि सब इस तरह के होने चाहिए।

3-इन बच्चों की गतियों की तरफ खास ध्यान दिया जाना चाहिए।

4-अगर अध्यापकों को इन बच्चों की पारिवारिक पृष्ठभूमि पता हो तो वह अपने शैक्षिक प्रयासों में इन बच्चों के लिए सुधार ला सकते हैं।

5-अध्यापकों को इन बच्चों से दोस्त जैसा व्यवहार करना चाहिए ताकि यह बच्चे अपनी समस्याएं बिना संकोच के अध्यापकों को बता सकें।